अध्याय-1

प्रस्तावना

पिछले कुछ दशकों में भारतीय समाज में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। इनमें से कुछ परिवर्तन सकारात्मक हैं तथा कुछ नकारात्मक भी। देखा यह गया है कि भूमंडलीकरण, शहरीकरण और औद्योगीकरण के बढ़ने से सामान्यतः व्यक्ति केस्वका दायरासंकीर्ण होता जा रहा है और समाज तथा संदर्भ से जुड़ाव उत्तरोत्तर कम होता जा रहा है। स्वाभाविक रूप से ऐसी स्थिति में, सामाजिक जिम्मेदारी से संबंधित भाव, व्यवहार और अभिवृत्तियों में भी दिनोंदिन कमी होती जा रही है,इसके परिणामस्वरूपव्यक्ति में एकाकीपन आ रहा है तथा चिंता, अवसाद जैसी कई प्रकार की मानसिक समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं और सुखद अनुभवों का तिरोधान हो रहा है। इसके अतिरिक्त, ऐसी अनेक सामाजिक समस्याओं का उद्भव हुआ है जो किसी भी लोकतान्त्रिक समाज के लिए अहितकारी हैं। हम अकसर पाते हैं कि बड़ी संख्या में लोग सामाजिक रूप से गैर-उत्तरदायी व्यवहार में लिप्त रहते हैं, जिसके कारण रोगात्मक एवं विकृत व्यवहार प्रदर्शन के प्रमाण तेजी से बढ़ रहे हैं। दंगों, सत्ता के दुरुपयोग की घटनाएं आम होती जा रही हैं। व्यक्तिगत संपत्ति की चिंता और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। सरकारी ढाँचे में परियोजनाओं में घोटाले और विफलताओं का एक प्रमुख कारण सामाजिक उत्तरदायित्व की उपेक्षा और कमी है।

उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में, सामाजिक उत्तरदायित्व का अध्ययन अनिवार्य रूप से आवश्यक हो गया है।किंतु, यह विडंबनापूर्ण है कि सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रत्यय अभी तक सामान्य रूप से कारपोरेट जगत तक ही सीमित होकर रह गया है जबकि समकालीन समाज में इससे संबंधित चुनौतियों को देखते हुए तत्संबंधी प्रयासों की तीव्र आवश्यकता महसूस की जा रही है विशेषकर सामाजिक उत्तरदायित्व का मापन मनोवैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। अत: प्रस्तुत शोधकर्ता के मन में सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर गहरी जिज्ञासा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में शोधार्थी द्वारा सर्वप्रथम साहित्य समीक्षा के माध्यम से प्रासंगिक मुद्दों को समझने का प्रयास किया गया।

सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रत्यय, लाभ और उसका मापन: एक संक्षिप्त समीक्षा

सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रत्यय काफी व्यापक है। इसका स्वरूप एवं सरोकार अध्ययन के अनुशासनों से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही सांस्कृतिक रूप से इसके प्रभावित होने के कारण भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसके प्रत्यय को समझने की आवश्यकता महसूस की गई। अत: प्रस्तुत शोधकर्ता ने सामाजिक उत्तरदायित्व के मापनी के विकास हेतुसामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े मापकों की समीक्षा से पूर्व सामाजिक उत्तरदायित्व के उपलब्ध प्रत्ययों को समझ लेना समीचीन समझा।

अतएव प्रस्तुत शोधार्थी ने इस शोध कार्य में समीक्षा को निम्न लिखित मुख्य उपभागों में बांटकर समझने का प्रयास किया है: सामाजिक उत्तरदायित्व की परिभाषा, संबंधित प्रत्यय,भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रत्यय, सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनाने के लाभ, उपलब्ध मापक।

- ***सामाजिक उत्तरदायित्व का आशय****:* शाब्दिक रूप से सामाजिक उत्तरदायित्व का तात्पर्य समाज के प्रति उत्तरदायित्व या कर्तव्यबोध से है। प्रत्ययात्मक रूप में,सामाजिक उत्तरदायित्व वह जिम्मेदारी है जो समाज द्वारा व्यक्ति को दी जाती है तथा तय मानकों को पूर्ण करने से संबंधित है **(De George,1999)**। सामान्य रूप से भी, व्यक्ति जिस समुदाय अथवा समाज में रहता है उससे वह भावनात्मक रूप से जुड़ा होता है तथा उस समुदाय अथवा समाज के कुछ विशेष मानक होते हैं जिसके अनुसार वह व्यवहार करता है। यदि वह तय मानकों के अनुसार व्यवहार करता है तो उस व्यवहार को नैतिक व्यवहार कहा जाता है और यदि वह तय मानकों के अनुसार व्यवहार नहीं करता है तो अनैतिक माना जाता है। परंतु यह दृष्टिकोण सामाजिक उतरदायित्व के कुछ ही पहलुओं जैसे समाज से संबंधित उत्तरदायित्व पर बल देता है जबकि वैश्विक अथवा देश के प्रति नागरिक उत्तरदायित्वों (जैसे- पर्यावरण, विवेकशील प्राणी के रूप में मानव का अन्य जीवों के प्रति उत्तरदायित्वों, देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के प्रति सम्मान एवं बनाए गए नियमों के प्रति पालन एवं कर्तव्यनिष्ठता से संबंधितउत्तरदायित्वों इत्यादि) पर विशेष ध्यान नहीं देता है जिसको समझने की आवश्यकता प्रकारांतर से ही महसूस की जाती रही है। सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित अनेक प्रत्ययों पर अनेक मनोवैज्ञानिकों ने विचार किया है और अवधारणाएँ प्रस्तुत की हैं।

- ***सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित प्रत्यय***: एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति, लोगों अथवा समाज के बीच का संबंध किस प्रकार का है और कहाँ तक उन्हें अपनाता है? इस प्रश्न की व्याख्या के लिए **Adler(1964)**ने सामाजिक रुचि का सिद्धांत दिया। यह सिद्धांत एक व्यक्ति तथा दूसरे व्यक्ति या लोगों के बीच संबंधों की व्याख्या करने का प्रयास करता है कि किस प्रकार वह समाज में रहते हैं?**Adler(1964)** ने सामाजिक रुचि को 'सामुदायिक भावना' कहा है जो किसी एक व्यक्ति के वैयक्तिक अथवा निजी इच्छाओं के विपरीत होती है तथा साथ ही इसके अंतर्गत उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दूसरे लोगों के सद्भावनापूर्वक रहने, अपनी इच्छाओं से ऊपर उठकर ऐसे मूल्यों से जुड़ना या संबंधित होना जो सभी के लिए सामान एवं लाभकारी हों। स्पष्ट है कि सामाजिक रुचि के अंतर्गत सामाजिक न्याय, सामूहिकता पर बल दिया गया है। दूसरे शब्दों में, सामाजिक रुचि एक प्रकार की अभिवृति है जो दूसरों के कल्याण से संबंधित है। इस सिद्धांत के आधार पर कहा जा सकता है कि सामाजिक उतरदायित्व समुदाय अथवा समाज में रहने वाले दूसरे व्यक्ति या लोगों के प्रति भावनात्मक जुड़ाव एवं सबसे महत्वपूर्ण बात जुड़ाव के साथ उनके प्रति कर्तव्य बोध तथा अनुपालन है। आधुनिक समय में, कुछ समाज मनोवैज्ञानिकों ने सामाजिक उत्तरदायित्वको वैयक्तिक शीलगुण (socially responsible individual trait) के रूप में अध्ययन किया है **(Gough, McClosky, and Meehl, 1952; Berkowitz and Lutterman, 1968; Bierhoff, 2000; Harris, 1957)**।

  सामाजिक उत्तरदायित्व को कुछ मनोवैज्ञानिकों ने नागरिकता के आधार पर भी समझने का प्रयास किया है। नागरिकता के आधार पर उत्तरदायी व्यक्ति अपने आपको एक बड़े समाज का अंग मानता है तथा वह समाज की समस्याओं को आंशिक तौर पर अपना समझता है **(Colby et. al.,2003;Berman, 1997)**। समाज,देश अथवा विशेष संदर्भ में संबंधित या रहने वाले लोगों (नागरिकों) में भी सामाजिक उत्तरदायित्व का स्वरूप भिन्न-भिन्न हो सकता है। **Power et. al. (2016)** ने transnational elite और civil society के जटिल संबंधों का अध्ययन करने के लिए ब्रिटेन तथा फ्रांस के दो समूह लिए जो elite graduate थे। दोनों समूह को विश्वास था कि सम्मान केवल कठिन परिश्रम एवं योग्यता से प्राप्त किया जा सकता है। जब उनसे 'give something back' की आवश्यकता प्रकट करने को कहा गया तो इसका अर्थ उन्होंने सामाजिक

उत्तरदायित्व संबंधित कर्तव्य के रूप में लिया तथा इसका प्रकटन अलग-अलग रूप में किया। ब्रिटेन (आक्सफोर्ड स्नातक)'give something back' का प्रकटन volunteering और third sector engagement (चैरिटी, चेरीटेबल संगठन के साथ मिलकर कार्य) के रूप में किया। जबकि फ्रांस (पेरिस स्नातक) ने 'give something back' का अर्थ सार्वजनिक सेवा (public service)के रूप में लिया।

एक व्यापक तथा सामान्य दार्शनिक विचार है कि सहायतापरक या प्र-सामाजिक व्यवहार ही परोपकार है। **Macaulay and Berkowitz (1970)**ने परोपकार को वैसे व्यवहार के रूप में परिभाषित किया है जो दूसरों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बिना किसी प्रत्याशा के किया जाता है। अतः कहा जा सकता है कि बिना किसी प्रत्याशा के स्व से ऊपर उठकर किया गया व्यवहार जो दूसरों के लाभ पहुंचाने से सरोकार रखता है, वह परोपकार कहलाता है। परोकार का एक छोटा भाग सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार से संबंध रखता है। जैसे निःशक्त व्यक्ति अथवा जरूरतमंद व्यक्ति को सड़क पार कराना अथवा मदद करना सामान्यतः बिना किसी बाह्य प्रत्याशा या पुरस्कार के ही संपंन किए जाते है।

प्र-सामाजिक व्यवहार को ऐसे व्यवहार अथवा कार्य के रूप में परिभाषित किया जाता है जो दूसरे लोगों या समाज के लिए अच्छा हो। दूसरों को सम्मान देना, नियमों को मानना, समाज के मानकों के अनुरूप व्यवहार करना तथा दूसरों के साथ सामंजस्यपूर्ण व्यवहार करना इत्यादि को महत्वपूर्ण प्र-सामाजिक व्यवहार माना गया है। सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार भी प्र-सामाजिक व्यवहार की तरह ही समाज के मानकों के अनुरूप व्यहार करने, दूसरों के साथ सामंजस्यपूर्ण व्यवहार करने इत्यादि को मानता है।

सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर अब तक सर्वाधिक अध्ययन कार्पोरेट क्षेत्र में कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (corporate social responsibility or CSR) के नाम से हुआ है। **The World Business Council for Sustainable Development (WBCSD, 2002)**ने "उद्यम के साथ नैतिक व्यवहार करना और आर्थिक विकास के साथ-साथ कर्मियों एवं उनके परिवार, स्थानीय समुदाय तथा व्यापक स्तर पर समाज में रहने वाले लोगों की जीवन-गुणवत्ता में सुधार करने" को कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व माना है। **Milton Friedman (1970)**के

अनुसार "उद्यम या कार्पोरेट का केवल एक ही सामाजिक उत्तरदायित्व है संसाधनों का उपयोग एवं ऐसी गतिविधियों, क्रियाकलापों का निर्माण करना जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त कर सके और जहाँ तक संभव हो नियमों के साथ चलें, खुली एवं मुक्त स्पर्धा में बिना किसी छलावे एवं धोखाधड़ी के काम करते रहें।"भारत में CSR को लेकर एक समृद्ध परंपरा रही है यह मुख्यतः कार्पोरेट फिलैन्थ्रोपी (philanthropy) और Gandhian Trusteeship Model पर आधारित है **(शर्मा, 2009)**। परंतु 1990 के बाद भूमण्डलीकरण के कारण इसमें कुछ मूलभूत परिवर्तन हुए। जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित-फिलैन्थ्रोपी-आधारित मॉडल की तरफ ज्यादा झुकाव रहा है। इसके अंतर्गत उद्यमी, मैनेजर, कर्मचारी एवं स्टेकहोल्डर की फिलैन्थ्रोपी को ज्यादा महत्व दिया गया इसका उद्देश्य था कि अच्छा कार्पोरेट नागरिक (to be good corporate citizen) बनाना।

स्पष्ट है कि कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत उद्यम से जुड़े लोगों जैसे कर्मचारी, उद्यमी और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर का ही अध्ययन किया जाता है । इसमें नैतिकता का संबंध उद्यम से जुड़ा हुआ है। कर्मचारियों के लिए CSR का वांछनीय उद्देश्य है एक अच्छा कार्पोरेट नागरिक बनाना, जबकि सामाजिक उत्तरदायित्व का संबंध इससे कहीं ज्यादा व्यापक है यह ऐसे नागरिक बनाने पर बल देता है जो जिस समाज, समुदाय अथवा देश में रहता है उसका अपने आपको नागरिक माने, उससे जुड़ाव महसूस करें तथा उसके द्वारा तय मानकों, मूल्यों का पालन करे तथा समाज द्वारा दिए गए दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारीपूर्वक करे। इस संबंध में भारतीय शास्त्रों में विशेष रूप से बल दिया गया है।

- ***भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक उत्तरदायित्व***: संस्कृति में भिन्नता का परिलक्षण सामाजिक उत्तरदायित्व पर हो सकता है। संस्कृति को मनोवैज्ञानिकों ने दो भागों में विभाजित किया है- वैयक्तिक संस्कृति तथा सामूहिक संस्कृति। कुछ लोगों ने वैयक्तिक संस्कृति को पश्चिमी संस्कृति भी कहा है इसके अंतर्गत मुख्यतः अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को रखा जाता है। सामूहिक संस्कृति के अंतर्गत एशियन, अफ्रीकी एवं लैटिन अमेरिकी देशों को रखा गया है। **Hofstede (1980)** व **Triandis (2000)** ने भारत को समूहवादी संस्कृति की श्रेणी में रखा है। समूहवादी संस्कृति की विशेषता होती है कि स्व-निर्माण के स्तर पर इनमें अंतर-निर्भरतावादी व्यक्तित्व पाया जाता है जो एक दूसरे से जुड़ने एवं सामंजस्यपूर्ण व्यवहार करने पर बल देता है तथा इसके

विपरीत, वैयक्तिक संस्कृति में स्व-निर्माण के स्तर पर अन्तःनिर्भर अथवा स्वतंत्र व्यक्तित्व पाया जाता है जो अपनी स्वतंत्र को कायम रखने एवं अपने अंदर निहित तत्वों के अनोखेपन को व्यक्त करने पर ज्यादा बल देते हैं **(MarkusandKitayama, 1991)**। हाल ही में **जे.बी.पी. सिन्हा (2012)** ने भारतीय मानस (माइंड सेट) को विश्लेषित करने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि भारतीय मानस परिवर्तनशील है। शोधकर्ताओं ने इंगित किया कि भारतीय परस्पर निर्भरता/तार्किक स्व निर्माण को प्रदर्शित करते हैं **(मिश्र, 2001)**। इस परिप्रेक्ष्य में भी सामाजिक उत्तरदायित्व को देखने की आवश्यकता है।

प्राचीन भारतीय वैदिक दर्शन में सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर कई प्रत्यय मौजूद हैं। भारतीय वैदिक दर्शन चार प्रकार के पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की बात करता है। सामाजिक उत्तरदायित्व धर्म का प्रकट रूप है जो किसी मनुष्य का समाज के प्रति कर्तव्यों/जिम्मेदारियों एवं दूसरों के कल्याण से संबंधित है। साथ ही वैदिक दर्शन में त्रिवर्ग (धर्म, अर्थ और काम) के प्रत्यय पर जोर दिया गया जो एक साथ होने पर सभी के लिए प्रसन्नता (happiness) से संबंध रखती है। इन तीनों धर्म, अर्थ और काम का उद्देश्य समाज में रह रहे लोगों का भौतिक विकास, सांस्कृतिक विकास एवं कल्याण करना है। भारतीय परंपरा में दान की परंपरा काफी प्राचीन रही है जो भूखों को भोजन कराना, वस्त्रहीन को वस्त्र देना इत्यादि से संबंधित रही है अर्थात दान भारतीय समाज में निचले स्तर या दूसरे छोर पर जीवन-यापन कर रहे लोगों के प्रति चिंता एवं मदद से संबंधित है, का विस्तार ही सामाजिक उत्तरदायित्व है।

- ***सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनाना आवश्यक क्यों***?: सामाजिक उत्तरदायित्व के अनेक लाभकारी पहलू भी है। सामाजिक उत्तरदायित्व से समाज अथवा समुदाय पर एक सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इससे व्यक्ति में व्यक्तिगत मूल्यों के विकास के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों का भी विकास होता है। सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार करने से व्यक्ति को संतुष्टि मिलती है तथा समाज में उसकी प्रतिष्ठा बढ़ती है जो भविष्य में और अधिक सामाजिक उत्तरदायी व्यवहार करने की प्रेरणा देती। अधिकाधिक लोगों को उसके द्वारा लाभ प्राप्त होता है। साथ ही साथ उस समाज या समुदाय, देश एवं वैश्विक नागरिक होने के कर्तव्यों का पालन करने से उसके अनुसार

व्यक्तित्व विकास होता है एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारियों का पालन करने से दूसरे प्राणियों, जीवों को लाभ मिलता एवं पारिस्थिकीय तंत्र में संतुलन बना रहता है। सामान्यतः यह देखा गया है कि अधिकांश लोग सामाजिक उत्तरदायित्व पूरा करने वाले लोगों (स्वतंत्रता सेनानियों, समाज सुधारकों, परोपकारियों, पर्यावरणीय आंदोलनकर्ताओं आदि) के प्रति सम्मान जाहिर करते हैं।

बहुत सारे अध्ययन इस बात पर जोर देते हैं कि वैयक्तिक स्तर पर नागरिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व सकारात्मक भूमिका निभाता है **(Reinders and Youniss, 2006; Leming, 2001; Yates and Youniss, 1998)** तथा कुछ लोगों का मानना है कि नागरिक जुड़ाव से संबंधित सक्रियता (civic engagement) स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की भावना को बढ़ाती है **(Youniss and Levine, 2009)**। परोपकार एवं सहायतापरक व्यवहार, सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार तीनों समाज से जुड़े लोगों या अन्य लोगों के प्रति भी लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से किए जाते हैं। **Schuyt, Smit andBekkers (2004)** का मत है कि परोपकार (Philanthropy) सार्वजनिक वस्तुओं के साथ दीर्घावधि प्रतिबद्धताओं को व्यक्त करता है। परोपकार का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण समाज की भलाई के लिए प्रबंध और सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नागरिक कर्तव्यों (विशेषतः ईसाई परंपरा से जुड़े लोगों में) से जुड़े मुद्दों के प्रति सरोकार रखना है। इन्होंने अपने अध्ययन में परोपकार से संबंधित मापनी को विकसित किया है। इसके लिए समाज, वैश्विक नागरिकता से जुड़े कर्तव्यों एवं वैश्विक संबंधों से संबंधित पदों को लिया गया है। परोपकार का अन्य समाजोपयोगी प्रेरणाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच सकारात्मक संबंध पाया तथा साथ ही यह भी पाया गया कि सामाजिक उत्तरदायित्व परोपकार से सबंधित व्यवहार के सबंध में पूर्वकथनीय वैधता रखता है।

- **सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित उपलब्ध मापक:** सामाजिक उत्तरदायित्व के मापन हेतु कुछ प्रयास पूर्व में किए गए हैं।**Gough, McClosky and Meehl, (1952)** ने छात्रों पर अध्ययन किया और बताया की ज़िम्मेदार व्यक्तित्व वाले छात्र नैतिकता एवं विशेष नैतिक मूल्यों (ethical and moral) से संबंधित समस्याओं के प्रति अधिक गंभीर एवं सजग रहते हैं

तथा साथ ही व्यापक सामाजिक परिदृश्य में सकारात्मक चीजों एवं न्याय के प्रति सजग एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण होते है। **Berkowitzand Daniels(1964)** ने भी सामाजिक उत्तरदायित्व को एक मापनीय शीलगुण माना तथा इसको मापने के लिए एक मापनी का विकास किया। इनका मत था कि 'सामाजिक उत्तरदायी मानकों' द्वारा समाज के सभी लोग एक दूसरे पर निर्भर रहते हैं। इनकी आत्म-अभिलेखन मापनी (self-report scale) पर सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रवृत्ति उच्च निर्भर हालत में सहसंबंधित पायी गई। नैतिकता के आधार पर भी सामाजिक उत्तरदायित्व स्व से ऊपर उठकर सबके लिए समान लाभ (common good)की बात करता है।

कुछ मनोवैज्ञानिकों ने वैश्विक रूप में सामाजिक जिम्मेदारी को देखने एवं मापनेका प्रयास कियाहै। **Starrett (1996)** ने Global Social Responsibility Inventory (GSRI) में 45 एकांशों को तीन उप-मापनियों में रखा। इसका विकास इन्होंने वैश्विक सामाजिक जिम्मेदारी एवं उससे संबंधित दो प्रत्यय को मापने के लिए किया। प्रथम मापनी, Global Social Responsibility Scale (GSRS) के अंतर्गत अभिवृत्ति एवं मूल्यों से संबंधित मुद्दों जैसे- नैतिकता, नैतिक दायित्वों, सामाजिक न्याय, समानता, शान्ति एवं पारिस्थितिकी से संबंधित विशेष अंतरराष्ट्रीय पक्षों समाहित किया है। द्वितीय मापनी, Responsibility for People Scale (RPS) के अंतर्गत प्रथम मापनी के सामान ही पदों को रखा परंतु यह वैयक्तिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर अधिक जोर दिया है। तृतीय मापनी, Social Conservation Scale (SCS) में अभिवृत्ति एवं मूल्यों से संबंधित मुद्दों जैसे- राष्ट्रीयता, न्याय एवं अनुशासन व्यवस्था, अधिनायकवादिता, 'एक विश्व' में विश्वास और मौलिक धार्मिकता से संबंधित मुद्दों को रखा गया।

Pancer,PrattandHunsberger(2000) ने क्लासिकल नैतिक विकास सिद्धांत (कोहलबर्ग) को आधार मानते हुए किशोरों में सामाजिक उत्तरदायित्व को मापने के लिए Youth Social Responsibility Scale (YSRS) का विकास एवं परीक्षण किया। YSRS सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित सामान्यीकृत या वैश्विक अभिवृत्ति का मापन बिना विस्तृत परिप्रेक्ष्य में करता है। इस मापनी के अधिकांश पद वैयक्तिक अभिवृति के व्यापक सामाजिक एवं नैतिक मुद्दों जैसे- गरीबी,अन्याय, नस्लवाद

तथा पर्यावरण, जो सभी देशों से संबंधित है। YSRS, शोधकर्ताओं के शोध से संबंधित वैश्विक परिप्रेक्ष्यों एवं सामाजिक परिवर्तन की रणनीतियों के प्रति बढ़ रही भावनाओं को स्पष्ट रूप से संदर्भित नहीं करता है।

प्रस्तुत शोध:

बहुत सारे अध्ययनों (जैसे- बायस्टेंडर प्रभाव) से यह स्पष्ट है कि लोगों के अंदर सामाजिक उत्तरदायित्व की संज्ञानात्मक समझ तो है परंतु सामाजिक उत्तरदायित्व को आचरण में लाने हेतु आवश्यक प्रेरणा की कमी होती है। सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अभिवृत्ति को बढ़ाने के लिए विद्यालयी, विश्वविद्यालयी स्तर पर कई तरह के कार्यक्रमों को चलाने तथा समाज, पर्यावरण के प्रति कर्तव्यों एवं साथ ही साथ नागरिक कर्तव्यों की समझ विकसित करने के लिए पाठ्यक्रमों में इनको उपयुक्त स्थान देने की आवश्यकता है। इनके साथ ही समाज में सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर विभिन्न तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से जागरुकता फैलाने एवं इस तरह के व्यवहार से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। किन्तु, उपलब्ध अध्ययनों में प्रत्ययात्मक सीमितता है तथा सांस्कृतिक रूप से भारतीय परिवेश में सामाजिक उत्तरदायित्वों के मापन के लिए उपयुक्त मापक उपलब्ध नहीं है। सामाजिक उत्तरदायी व्यक्ति को लेकर किन-किन विमाओं को रखा जाए या किस तरह से परीक्षण किया जाए इस विषय में शोध-साहित्य अत्यल्प है। उपर्युक्त के परिप्रेक्ष्य में, प्रस्तुत शोध में सामाजिक उत्तरदायित्व की विभिन्न विमाओं, उनके अंतर्संबंधों, लिंग के अनुसार उन पर प्राप्त अनुक्रियाओं के विश्लेषण के लिए उपयुक्त शोध-कार्य की योजना बनाई गई है।

अध्याय-2

विधि

प्रस्तुत अध्ययन दो चरणों में किया गया है। प्रथम चरण में, सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित मापक का विकास किया गया है तथा द्वितीय चरण के अंतर्गत वैधता परीक्षण के लिए सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित मापनी (सामाजिक व्यवहारदर्शिका) एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी (VFI) का उपयोग किया गया तथा सहसंबंधों की गणना की गई। दोनों चरणों के लिए अलग-अलग प्रतिदर्शों का चयन यादृच्छिक रूप से किया गया है।

प्रथम चरण

प्रतिदर्श-

प्रस्तुत शोध वर्धा(महाराष्ट्र) में रहने वाले 18-30 वर्ष के युवा प्रतिभागी जिनमें हिंदी भाषा की अच्छी समझ थी, का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। जिसमें पुरुष तथा महिला दोनों सम्मिलित थे तथा विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि(शहरी, ग्रामीण तथा मिश्रित) से संबंध रखते थे। प्रस्तुत अध्ययन के लिए सर्वप्रथम 20 प्रतिभागियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा पायलट अध्ययन के लिए किया गया। तत्पश्चात् एक बड़े प्रतिदर्श पर अध्ययन किया गया जिसके लिए 281 प्रतिभागियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। जिसमें 166 पुरुष तथा 155 महिलाएँ थीं जो विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि(शहरी, ग्रामीण तथा मिश्रित) से संबंध रखते थे। जिनका विवरण **तालिका संख्या1** में प्रदर्शित है-

तालिकासंख्या 1:प्रतिदर्श वितरण सारणी

पृष्ठभूमि	**लिंग-भेद (N=281)**	
	पुरुष (n=166)	महिला (n=115)
शहरी(n= 82)	33	49
ग्रामीण(n= 110)	79	31
मिश्रित(n= 89)	54	35

प्रक्रिया:

प्रस्तुत अध्ययन में संपूर्ण प्रक्रिया को निम्नलिखितफ्लो-चार्ट के अनुसार किया गया-

साहित्य-समीक्षा एवं मापनी का सम्प्रत्ययीकरण

सर्वप्रथमप्रस्तुत अध्ययन में सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित मापनी विकास हेतु पदों के चयन के लिए साहित्य-समीक्षा की गई। साहित्य-समीक्षाएवं सम्प्रत्ययीकरणके लिए निम्न पदों को आधार बनाया गया-

1. व्यक्ति और समाज के बीच संबंध किस प्रकार का है?
2. व्यक्ति सामाजिक सरोकार के मुद्दों को किस प्रकार समझता है?
3. व्यक्ति निःशक्त, छोटे अथवा अधीनस्थ लोगों से किस प्रकार व्यवहार करता है?
4. व्यक्ति-पर्यावरण संबंध किस प्रकार का है?
5. व्यक्ति समाज द्वारा दिए गए दायित्वों एवं नागरिक दायित्वों का पालन कहाँ तक करता है?

उपरोक्तानुसार, प्रस्तुत शोध कार्य में सामाजिक उत्तरदायित्व को निम्न तरीके से पारिभाषित किया गया है:

सामाजिक उत्तरदायित्व, निश्चित रूप मे किया जाने वाला नैतिक एवं सांवेदिक व्यवहार है जो समाज, संस्कृति, पर्यावरणीय एवं वैश्विक परिदृश्य से संबंधित मुद्दों अथवा विषयों से नैतिक एवं सांवेदिक रूप सरोकार रखता है।सामाजिक उत्तरदायित्व निचले स्तर की समस्याओं या जीवनयापन के लिए संघर्ष कर रहे लोगों के प्रति या उनकी मदद के लिए व्यक्ति एवं समाज का एक सकारात्मक सहयोग है।

एकांशलेखन

साहित्य-समीक्षा के आधार पर एकांशों का निर्माण सामाजिक उत्तरदायित्व से सम्बंधित संज्ञानात्मक एवं व्यवहारात्मक पक्षों को ध्यान में रखते हुए देवनागरी लिपि में किया गया। इन एकांशों की रचना वस्तुनिष्ठ प्रकार की गई। प्रारम्भ में 82 एकांशों का निर्माण शोधार्थी द्वारा किया गया।

एकांशों का सम्पादन-

विशेषज्ञों एवं छात्रों के साथ चर्चा: इसके बाद सामाजिक मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, मानवविज्ञान से जुड़े विशेषज्ञों से पद चयन के संबंध में सलाह ली एवं समूह चर्चा की गई। तदुपरांत पदों की भाषा एवं क्रम को व्यवस्थित किया गया तथा कुल 67 पदों को अंतिम रूप दिया गया। अनुक्रिया प्राप्त करने के

लिए लिकर्ट समान 5 बिंदु मापनी (अत्यधिक सहमत, सहमत, न सहमत न असहमत, असहमत, अत्यधिक असहमत) का चयन किया गया। चर्चा उपरांत इस मापनी के एकांश संख्या 3, 5, 9, 15, 17, 19, 21, 24, 26, 29, 30, 32, 34, 37, 40, 43, 49, 53, 57, 60, 62, 64 एवं 65 की नकारात्मक स्कोरिंग तथा शेष एकांशों को सकारात्मक स्कोरिंग हेतु रखा गया।

पायलट सर्वेक्षण

एकांशों की भाषा एवं क्रम को व्यवस्थित कर लेने के पश्चात सौहार्दपूर्ण संबंध बनाया गया एवं उपयुक्त निर्देश देते हुए कुछ प्रतिभागियों (n=20) पर पायलट सर्वेक्षण हेतु मापनी को प्रशासित किया गया। वर्णात्मक सांख्यिकीय द्वारा एकांश के कठिनता स्तर का पता लगाया गया एवं प्रत्येक प्रतिभागी से एकांशों भाषा के संदर्भ में प्राप्त फीडबैक के आधार पर भाषा की बोधगम्यता स्तर का पता लगाया गया। पुनः एकांशों की भाषा को ठीक किया गया तथा उपयुक्त पाए गए एकांशों (50 एकांश) को लेकर मुख्य सर्वेक्षण एक बड़े प्रतिदर्श पर किया गया।

मुख्य सर्वेक्षण

पायलट सर्वेक्षण के उपरांत उपयुक्त पाए गए 50 एकांशों कोबड़े प्रतिदर्श पर (N=281), उपयुक्त निर्देश देते हुए प्रशासित किया गया। अनुक्रियाओं के विश्लेषण हेतु एकांश संख्या 2, 4, 7, 12, 14, 16, 18, 21, 23, 26, 28, 30, 32, 33, 35, 38, 41, 43, 46, 47 एवं 48 की नकारात्मक स्कोरिंग की गई तथा शेष एकांशों की सकारात्मक स्कोरिंग की गई।उपयुक्त पाए गए प्रदत्तों का प्रत्येक एकांश पर उच्च तथा निम्न प्राप्तांकों के बीच विभेदनशीलता का पता लगाया गया तथा उपयुक्त एकांशों का कारक विश्लेषण किया गया। कारक विश्लेषण से प्राप्त प्रत्येक कारकों के एकांशों के बीच आतंरिक संगति विश्वसनीयता ज्ञात की गई तथा प्रत्येक कारकों के बीच सहसंबंधों गणना की गई।

द्वितीय चरण

प्रतिदर्श-

प्रस्तुत शोधवर्धा (महाराष्ट्र) में रहने वाले 18-30 वर्ष के युवा प्रतिभागी जिनमें हिंदी भाषा की अच्छी समझ थी, का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। जिसमें पुरुष तथा महिला दोनों सम्मिलित

थे तथा विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि(शहरी, ग्रामीण तथा मिश्रित) से संबंध रखते थे। स्वैच्छिक सेवा करने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के 93 प्रतिभागियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। जिसमें से 56 पुरुष तथा 37महिलाएँ थीं जो विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि(शहरी, ग्रामीण तथा मिश्रित) से संबंध रखते थे, जिनका विवरण **तालिका संख्या 2** में प्रदर्शित है-

तालिकासंख्या 2:प्रतिदर्श वितरण सारणी

पृष्ठभूमि	**लिंग-भेद (N=93)**	
	पुरुष (n=56)	महिला (n=37)
शहरी(n=26)	7	19
ग्रामीण(n=44)	37	7
मिश्रित(n=23)	12	11

उपकरण–

प्रस्तुत अध्ययन में दो मापनियों का उपयोग शोधकर्ता द्वारा किया गया-

- शोधकर्ता द्वारा निर्मित सामाजिक व्यवहारदर्शिका (Social Responsibility Scale, SRS)- यह 28 पदों वाली एक मापनी है तथा इसमें अनुक्रिया प्राप्त करने के लिए इसमें 5 बिंदु वाली निर्धारण मापनी का उपयोग किया गया है, जिसमें "1= पूर्णतः असहमत, 2= असहमत, 3= न असहमत न सहमत, 4= सहमत एवं 5= पूर्णतः सहमत" है।
- **Clary et. al.(1998)** द्वारा निर्मित 48 पदों वाली वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी (VOLUNTEER FUNCTIONS INVENTORY, VFI) (शोधार्थी द्वारा हिंदी अनुवादित) का उपयोग किया गया। जो स्वेच्छा सेवा कर रहे लोगों के कार्यात्मक दृष्टिकोण से संबंधित अभिप्रेरणा के स्तर को मापने के लिए विकसित की गई थी। इसमें 7 बिंदु निर्धारण मापनी का उपयोग किया गया है जिसमें "1= आपकेलिए बिल्कुलमहत्वपूर्णनहीं, 2=अधिकतर महत्वपूर्णनहीं,3=कभी-कभी महत्वपूर्णनहीं,4= महत्वपूर्ण,5=कभी-कभी महत्वपूर्ण,6=अधिकतर महत्वपूर्ण,एवं7= आपकेलिएअत्यंत महत्वपूर्ण" है। इस मापनी में कुल 14 कारक हैं। यह मापनी स्वेच्छा सेवा कर रहे लोगों के 6 प्रकार के कार्यात्मक अभिप्रेरणा का

मापन करती है. मूल्य से संबंधित कार्यात्मक अभिप्रेरणा इस बात का मापन करती है कि स्वेच्छा सेवा कर रहा व्यक्ति किस प्रकार महत्वपूर्ण मूल्यों (जैसे परोपकार, मानवीय मूल्य) को प्रकट करता है। सामाजिक कार्यात्मक अभिप्रेरणा इस बात का मापन करती है किस प्रकार स्वेच्छा सेवा कर रहा व्यक्ति कहाँ तक संबंधो को बढ़ता एवं मजबूत करता है। कैरियर से संबंधित पद इस बात का मापन करतेहैं कि स्वयंसेवी का लक्ष्य स्वेच्छा सेवा के द्वारा कैरियर से संबंधित अनुभवों को कहाँ तक अर्जित कर पाता है।समझ संबंधित प्रकार्य इस बात के मापन पर बल देते हैं कि जो स्वयंसेवी है वह कहाँ तक बाह्य जगत में उपस्थित चीज़ों के बारे में सीखता है अथवा कभी-कभी प्रयोग में लायी जाने वाले कौशलों का अभ्यास करता है। संवर्धन से संबंधित प्रकार्य इस बात का मापन करता है कि स्वेच्छा सेवा के माध्यम से कहाँ तक अपने मनोवैज्ञानिक पक्ष में वृद्धि एवं विकास कर पाता है। सुरक्षात्मक प्रकार्य इस बात का मापन करते हैं कि वालूंटियर कर रहा व्यक्ति इसकी सहायता से कहाँ तक अपने नकारात्मक भावनाओं (जैसे अपराध या अपने व्यक्तिगत समस्याओं इत्यादि) को कम कर पाता है।

प्रक्रिया:

सर्वप्रथम प्रतिभागियों से सौहार्दपूर्ण संबंध बनाया गया एवं उपयुक्त निर्देश देते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी (VFI) मापनी को प्रशासित किया तथाप्रतिभागियों को अनुक्रिया प्रपत्र दे दिया गया। प्रतिभागियों द्वारा अनुक्रिया दे देने के पश्चात उनसे अनुक्रिया पपत्र ले लिया गया तथा सहयोग के लिए उनको धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अनुक्रिया प्रपत्र प्राप्त कर लेने के पश्चात सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु सुरक्षित रख लिया गया।

अध्याय-3

परिणाम

प्रथम चरण

एकांश विश्लेषण:

शोधार्थी द्वारा 82 एकांशों का निर्माण किया गया। मनोविज्ञान से जुड़े विशेषज्ञों तथा छात्रों से चर्चा उपरांत 67 एकांशों का चयन अंतिम रूप से किया गया। इन 67 एकांशों को लेकर (n=20) प्रत्येक एकांश की भाषागत बोधगम्यता सुनिश्चित की गई। इस आधार पर 50 एकांश उपयुक्त पाए गए। चुने गए 50 एकांशों को लेकर मापनी का 281प्रतिभागियों पर प्रशासित किया गया। इनमें से 234 प्रतिभागियों से प्राप्त प्रदत्त सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु उपयुक्त पाएगए। प्रतिभागियों से प्राप्त शेष अपूर्ण प्रदत्तों को हटा दिया गया। इन 234 उत्तर-पत्रों को लेकर प्राप्तांकों के योग के अनुसार आरोही क्रम में रखा गया। प्राप्तांकों के आवृत्ति वितरण के आधार पर चतुर्थांक 1 तथा चतुर्थांक 3 का निर्धारण कर उच्च और निम्न प्राप्तांक समूहों का निर्माण किया गया। इन दोनों समूहों के अंतर्गत आने वाले प्रतिभागियों के प्राप्तांकों को लेकर प्रत्येक एकांश पर प्राप्त उच्च एवं निम्न प्राप्तांक वाले समूहों के मध्यमानों के बीच सार्थकता हेतु टी.-परीक्षण किया गया। जिसे**तालिका संख्या 3** में प्रदर्शित किया गया है। सार्थकता परीक्षण पर सभी एकांश (50 एकांश) उपयुक्त पाएगए।

तालिका 3:सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी के एकांशों का विश्लेषण (N=234)

क्रम संख्या	एकांश का विवरण	उच्च प्राप्तांक समूह	निम्न प्राप्तांक समूह	टी.-मूल्य (t-value)
1	मैं खुद को समाज से जुड़ा हुआ महसूस करता/करती हूँ।	5.00 (.00)	3.26 (1.01)	14.99
2	मैं सामाजिक कार्यों में भाग नहीं ले पाता/पाती हूँ।	4.53 (.50)	1.99 (.52)	30.73
3	मैं बड़ों, वृद्धों या नि:शक्त लोगों के साथ बातचीत करता/करती हूँ और उनके साथ समय बिताता/बिताती हूँ।	4.87 (.34)	2.58 (.86)	21.62
4	समाज या समुदाय द्वारा लिए गए निर्णय के स्थान पर मैं खुद के निर्णय को अधिक महत्त्व देता/देती हूँ।	4.12 (.63)	1.53 (.50)	28.21
5	मुझे समुदाय के साथ जुड़ कर काम करना अच्छा लगता है।	5.00 (.00)	3.31 (1.01)	14.57

6	मैं अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहता/रहती हूँ।	5.00 (.00)	3.26 (.88)	17.36
7	समाज की कुरीतियों के बारे में आम जनता को सचेत करना मेरी जिम्मेदारी नहीं है।	5.00 (.00)	2.17 (.92)	26.90
8	यदि कोई अपरिचित व्यक्ति मदद मांगे तो उसकी मदद करने में नहीं हिचकूंगा/हिचकूंगी।	4.79 (.48)	2.47 (.68)	25.71
9	मैं जरूरतमंद लोगों की मदद करता/करती हूँ।	4.95 (.22)	3.18 (.95)	15.78
10	मेरी सफलता में मेरे माता-पिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।	5.00 (.00)	3.64 (1.05)	11.39
11	मैं दूसरों की समस्याओं को हल करने में मदद करता/करती हूँ।	4.82 (.39)	3.29 (.84)	14.52
12	समाज या अपने समुदाय की समस्याओं के लिए मैं स्वयं को ज़िम्मेदार नहीं मानता/मानती हूँ।	4.17 (.37)	1.74 (.44)	36.71
13	मैं बिना किसी तरह की प्रत्याशा के सामाजिक कार्यों (जैसे- किसी की मदद, दान देना, पेड़ लगाना, किसी को भोजन कराना) को करना चाहता/चाहती हूँ।	5.00 (.00)	2.79 (.92)	21.00
14	दबाव में आ कर ही मैं सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाता/निभाती हूँ।	5.00 (.00)	2.55 (.89)	24.02
15	अब लोग एक दूसरे से कम सरोकार रखते है इससे सामाजिकता घट रही है।	4.96 (.19)	2.66 (.91)	21.62
16	समाज में हो रही घटनाओं के लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं हूँ।	4.30 (.46)	1.69 (.52)	32.98
17	मैं यातायात के नियमों का सदैव पालन करता/करती हूँ।	4.78 (.41)	2.56 (.65)	24.98
18	सामाजिक संस्थाओं जैसे-शादी, परिवार, परंपरा इत्यादि में मेरा विश्वास नहीं है।	4.75 (.43)	1.96 (.73)	28.75
19	सामाजिक कार्य करते हुए उससे होने वाले दुष्परिणाम के बारे में भी सोचता/सोचती हूँ।	4.22 (.64)	1.51 (.50)	29.22
20	घर से बाहर जाते समय या उपयोग न होने पर बिजली के उपकरणों को बंद कर देता/देती हूँ।	5.00 (.00)	3.58 (.67)	18.38
21	मैं लाइन में खड़े होकर अपने क्रम का इंतजार नहीं कर सकता/सकती।	4.99 (.11)	2.71 (1.03)	19.11
22	बस या ट्रेन में यात्रा करते वक्त जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी सीट दे देता/देती हूँ।	5.00 (.00)	2.84 (.91)	20.59
23	बड़ों, वृद्धों या नि:शक्त लोगों के साथ समय बिताना मेरे लिए बड़ा मुश्किल है।	4.82 (.38)	2.55 (.92)	19.87
24	मैं लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संस्थाओं में विश्वास करता/करती हूँ।	4.73 (.44)	2.65 (.83)	19.16

25	मैं पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों एवं उसके कारणों से परिचित हूँ।	4.84 (.36)	2.91 (.83)	18.72
26	मैं अपने आस-पास की साफ-सफाई का ध्यान नहीं रख पाता/पाती हूँ।	4.71 (.45)	2.34 (.73)	24.09
27	मैं घर से निकलने वाले कचरे का उचित प्रबंध करता/करती हूँ।	4.77 (.42)	2.64 (.76)	21.46
28	मैं यातायात के सामान्य नियमों से परिचित नहीं हूँ।	4.66 (.47)	2.40 (.97)	18.24
29	मैं बहुत जरूरी होने पर ही पालिथीन के प्रयोग करता/करती हूँ।	4.45 (.50)	1.84 (.51)	31.88
30	हमें प्रकृति के संसाधनों का भरपूर उपयोग करना चाहिए।	3.77 (.76)	1.17 (.37)	26.89
31	बच्चों का पालन-पोषण करना माता-पिता का कर्तव्य है।	5.00 (.00)	3.30 (1.01)	14.72
32	बिजली का उपयोग करने में मुझसे ढील हो जाती है।	4.45 (.50)	1.86 (.45)	33.81
33	यह जरुरी नहीं है कि हर आदमी को यह जानकारी होनी चाहिए कि उसके समुदाय में इस समय क्या चल रहा है।	4.62 (.48)	1.66 (.47)	38.12
34	पशु-पक्षियों से हमारे पर्यावरण का संतुलन बनता है इसलिए उनका ध्यान रखना चाहिए।	5.00 (.00)	3.42 (1.00)	13.83
35	आस-पास हो रही घटनाएँ मुझे प्रभावित नहीं करती हैं।	5.00 (.00)	2.65 (1.14)	18.02
36	मैं सामाजिक कार्यों में रुचि रखता/रखती हूँ।	5.00 (.00)	3.44 (.75)	18.18
37	मैं नागरिक दयित्त्वों का सही ढंग से पालन करता/करती हूँ।	4.66 (.47)	2.91 (.67)	18.67
38	मैं नागरिकता एवं उनसे संबंधित कर्तव्यों, अधिकारों से परिचित नहीं हूँ।	3.99 (.73)	1.18 (.38)	29.63
39	युवा पीढ़ी को राजनैतिक पार्टियों और संगठनों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।	5.00 (.00)	2.65 (.80)	25.55
40	दूसरों की सहायता कर के माता-पिता बच्चों के सामने उदाहरण पेश करते हैं।	4.95 (.22)	2.71 (.94)	20.20
41	पशु-पक्षियों की देख-भाल करना मेरा काम नहीं है।	5.00 (.00)	3.17 (1.05)	15.21
42	किसी आदमी की सहायता करने पर विशेष तरह की उपलब्धि का अनुभव होना चाहिए।	4.62 (.48)	1.87 (.52)	33.82
43	इतिहास गवाह है कि समाज तब भी रहता है जब लोग एक दूसरे से खास मतलब नहीं रखते हैं।	4.48 (.50)	1.65 (.48)	35.72
44	आज विश्व समुदाय, अंतरराष्ट्रीय राजनीति एवं कार्पोरेशन पर निर्भर है और यह अच्छी बातनहीं है।	4.40 (.49)	1.91 (.56)	29.12
45	हर पीढ़ी को अपनी समस्यायों का समाधान खुद करना होता है।	4.81 (.39)	2.88 (.97)	16.04
46	यह जरूरी नहीं है कि जिस हाल में हम दुनिया को छोड़ कर जाएँ वह आगे की पीढ़ियों के लिए एक सुंदर जगह हो।	3.88 (.66)	1.32 (.47)	27.45

47	परोपकार और सार्वजनिक लाभ को सरकारी समर्थन मिलना चाहिए न कि नागरिकों और व्यापार संगठनों का।	3.90 (.62)	1.53 (.50)	26.00
48	मनुष्य इस धरती का सबसे योग्य प्राणी है इसलिए उसको नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार है।	4.60 (.49)	2.04 (.59)	29.04
49	हर आदमी को अपने समुदाय की भलाई के लिए स्वेच्छया कुछ समय देना चाहिए।	5.00 (.00)	3.70 (.67)	17.00
50	यह जानकर कि मैं अपने पड़ोस को सुधारने के लिए कुछ कर रहा/रही हूँ मुझे बड़ी खुशी होती है।	5.00 (.00)	3.45 (.85)	15.92

नोट- 1.सभी एकांश टी.-मूल्य पर सार्थक ($p < .001$) पाएगए।
2.मानक विचलन कोष्ठक में दिए गए हैं।

इन 50 एकांशों का कारक विश्लेषण किया गया। एकांशों जिन्हें**तालिका संख्या 4** में प्रदर्शित किया गया है। इस तालिका में कारकीय विश्लेषण से प्राप्त कारक तथा प्रत्येक कारक में सम्मिलित एकांशों की आंतरिक संगति विश्वसनीयता (क्रोनबैक अल्फा, α), इसके साथ प्रत्येक कारक में सम्मिलित एकांश, प्रश्नावली में उनकी संख्या तथा कारकीय विश्लेषण से प्राप्त प्रत्येक एकांश के भार-मूल्य को प्रदर्शित किया गया है। प्रत्येक कारक में सम्मिलित एकांशों की थीम के आधार पर प्रत्येक कारक को नाम दिया गया। इस विश्लेषण में .40 से ऊपर भार-मूल्य वाले एकांशों को ही सम्मिलित किया गया है।कारक सामाजिक चेतना (α= **.75**), कारक सामाजिकतत्परता (α= **.76**) एवं कारकसामाजिक प्रतिभागिता(α=**.72**) पर विश्वसनीयता उच्च पाईगई जबकि कारक सामाजिक धैर्य (α= **.63**) एवं कारकलगाव (α= **.61**) की विश्वसनीयता मध्यम स्तर की पाईगई।

तालिका 4: कारकीय भार (Factor loading)विश्वसनीयता (Cronback alpha)मूल्य(N=234)

कारक	एकांश संख्या	एकांश	भार-मूल्य	विश्वसनीयता (α)
सामाजिक चेतना	3	मैं बड़ों, वृद्धों या नि:शक्त लोगों के साथ बातचीत करता/करती हूँ और उनके साथ समय बिताता/बिताती हूँ।	.61	.75
	6	मैं अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहता/रहती हूँ।	.57	
	17	मैं यातायात के नियमों का सदैव पालन करता/करती हूँ।	.57	
	1	मैं खुद को समाज से जुड़ा हुआ महसूस करता हूँ।	.56	
	50	यह जानकर कि मैं अपने पड़ोस को सुधारने के लिए कुछ कर रहा/रही हूँ मुझे बड़ी खुशी होती है।	.54	
	11	मैं दूसरों की समस्याओं को हल करने में मदद करता/करती हूँ।	.53	
	5	मुझे समुदाय के साथ जुड़ कर काम करना अच्छा लगता है।	.52	
	20	घर से बाहर जाते समय या उपयोग न होने पर बिजली के उपकरणों को बंद कर देता/देती हूँ।	.48	
	9	मैं जरूरतमंद लोगों की मदद करता/करती हूँ।	.40	
सामाजिक तत्परता	31	बच्चों का पालन-पोषण करना माता-पिता का कर्तव्य है।	.61	.76
	34	पशु-पक्षियों से हमारे पर्यावरण का संतुलन बनता है इसलिए उनका ध्यान रखना चाहिए।	.57	
	36	मैं सामाजिक कार्यों में रुचि रखता/रखती हूँ।	.54	
	41	पशु-पक्षियों की देख-भाल करना मेरा काम नहीं है।	.52	
	10	मेरी सफलता में मेरे माता-पिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।	.46	
	22	बस या ट्रेन में यात्रा करते वक्त जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी सीट दे देता/देती हूँ।	.78	
	13	मैं बिना किसी तरह की प्रत्याशा के सामाजिक कार्यों (जैसे-किसी की मदद, दान देना, पेड़ लगाना, किसी को भोजन कराना) को करना चाहता/चाहती हूँ।	.52	
सामाजिक धैर्य	21	मैं लाइन में खड़े होकर अपने क्रम का इंतजार नहीं कर सकता/सकती।	.52	.63
	32	बिजली का उपयोग करने में मुझसे ढील हो जाती है।	.63	
	14	दबाव में आ कर ही मैं सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाता/निभाती हूँ।	.49	
	23	बड़ों, वृद्धों या नि:शक्त लोगों के साथ समय बिताना मेरे लिए बड़ा मुश्किल है।	.65	
	26	मैं अपने आस-पास की साफ-सफाई का ध्यान नहीं रख पाता/पाती हूँ।	.67	
सामाजिक प्रतिभागिता	39	युवा पीढ़ी को राजनैतिक पार्टियों और संगठनों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।	.40	.72
	40	दूसरों की सहायता कर के माता-पिता बच्चों के सामने उदाहरण पेश करते हैं।	.76	
	2	मैं सामाजिक कार्यों में भाग नहीं ले पाता/पाती हूँ।	.66	
	24	मैं लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संस्थाओं में विश्वास करता/करती हूँ।	.65	

लगाव	38	मनुष्य इस धरती का सबसे योग्य प्राणी है इसलिए उसको नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार है।	.61	**.61**
	35	आस-पास हो रही घटनाएँ मुझे प्रभावित नहीं करती हैं।	.57	
	15	अब लोग एक दूसरे से कम सरोकार रखते है इससे सामाजिकता घट रही है।	.57	

तालिका संख्या 5 में कारकीय विश्लेषण से प्राप्त कारकों के बीच सहसंबंध ज्ञात कर प्रदर्शित किया गया है। तालिका देखने से स्पष्ट होता है कि सामाजिक चेतना का सामाजिक तत्परता और सामाजिक प्रतिभागिता के साथ सकारात्मक सहसंबंध है जबकि सामाजिक धैर्य के साथ नकारात्मक सहसंबंध है। सामाजिक धैर्य एवं सामाजिक तत्परता के बीच नकारात्मक सहसंबंध है। लगाव एवं सामाजिक प्रतिभागिता के बीच सकारात्मक सहसंबंध पाया गया है।

तालिका5:सामाजिक उत्तरदायित्व के कारकों के बीच सहसंबंध (N=234)

कारक	सामाजिकचेतना	सामाजिकतत्परता	सामाजिकधैर्य	सामाजिकसहभागिता	लगाव
सामाजिकचेतना	-				
सामाजिकतत्परता	.49**	-			
सामाजिकधैर्य	-.29**	-.24**	-		
सामाजिकसहभागिता	.24**	.11	.04	-	
लगाव	.08	.01	.12	.16*	-

****. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).**

***. Correlation is significant at the 0.05 level (2-tailed).**

द्वितीय चरण

सामाजिक उत्तरदायित्व तथा स्वैच्छिक सेवा पर लिंग-भेद का प्रभाव

सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीको राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवियों (N=93) पर प्रशासित किया गया।**तालिका संख्या 6अएवं ब** में पुरुष तथा महिला प्रतिभागियों द्वारा प्रत्येक कारक पर प्राप्तांकों के मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं प्रत्येक कारक पर पुरुष तथा महिला दोनों प्रतिभागियोंके बीच टी.-परीक्षण के परिणामों को प्रदर्शित किया गया है।

तालिका संख्या 6 अमें टी.-परीक्षण के द्वारा प्राप्त परिणामों के अवलोकन से यह पता चलता है कि सामाजिक उत्तरदायित्व के कारकों पर महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों के मध्यमानों के बीच किसी प्रकार का सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका6 अ:सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी पर पुरुष तथा महिला प्रतिभागियों के प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं टी.- मूल्य (N=93)

सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी के कारक	पुरुष (n=56)		महिला (n=37)		टी.-मूल्य
	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
सामाजिकचेतना	36.86	5.22	38.43	3.53	1.60
सामाजिकतत्परता	29.29	4.44	29.81	4.33	.56
सामाजिक धैर्य	18.21	4.08	18.92	3.87	.83
सामाजिकसहभागिता	15.46	2.36	14.78	2.80	1.27
लगाव	10.07	2.40	9.41	2.20	1.35

तालिका संख्या 6ब में स्वेच्छा सेवा के कारकों पर पुरुष तथा महिला दोनों प्रतिभागियोंसे प्राप्त प्राप्त मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं प्रत्येक कारक पर पुरुष तथा महिला दोनों प्रतिभागियों के बीच टी.-परीक्षण के परिणामों को प्रदर्शित किया गया है। परिणामों को देखने से पता चलता है कि 14 कारकों में से तीन कारकों पर सार्थक अंतर है। ये कारक इस प्रकार हैं:Outcomes Career,Outcomes Social एवं Outcomes Protect।तीनों कारकों पर महिलाओं के प्राप्तांक पुरुषों से अधिक है।

तालिका 6ब:वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी मापनी पर पुरुष तथा महिला प्रतिभागियों के प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं टी.- मूल्य (N=93)

वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारक	**पुरुष**		**महिला**		**टी.-मूल्य**
	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
VFI Career	18.37	6.42	20.65	4.82	1.83
VFI Social	19.36	4.90	20.14	4.41	.78
VFI Values	25.02	4.97	27.03	5.52	1.82
VFI Understanding	26.04	4.51	26.86	6.07	.83
VFI Enhance	20.64	4.03	22.08	4.86	1.55
VFI Protect	24.25	6.34	25.78	5.38	1.21
Outcomes Career	8.86	3.35	10.27	2.83	2.11*
Outcomes Social	9.77	2.54	10.84	2.25	2.07*
Outcomes Values	9.93	2.53	10.14	2.36	.39
Outcomes Enhance	10.70	2.68	11.30	2.61	1.07
Outcomes Protect	9.14	3.04	10.49	2.52	2.22*
Outcomes Understanding	10.13	2.04	10.54	2.49	.80
Satisfaction	25.80	6.20	27.03	5.42	.98
Long-term Intentions	1.46	.57	1.38	.54	.72

नोट: *p<.05

सामाजिक उत्तरदायित्व तथा स्वैच्छिक सेवा पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि का प्रभाव

तालिका संख्या 7अ एवं बमें विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमियों (शहरी, ग्रामीण एवं मिश्रित) के प्रतिभागियों के प्रदत्तों के मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं प्रत्येक कारक पर तीनों पृष्ठभूमि से संबंधित प्रतिभागियों के बीच एकदिश प्रसरण-विश्लेषण के परिणाम (एफ- मूल्य) प्रदर्शित किएगए हैं। **तालिका संख्या 7अ** से स्पष्ट है कि सामाजिक चेतना कारक पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमियों (शहरी, ग्रामीण एवं मिश्रित) के बीच सार्थक अंतर पाया गया। शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक चेतना अधिक थी। इनसे कम मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में और सबसे कम ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में थी।

तालिका7 अ: सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों के प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं एफ.-मूल्य(N=93)

सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी के कारक	शहरी (n=26)		ग्रामीण (n=44)		मिश्रित (n=23)		एफ-मूल्य
	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
सामाजिकचेतना	39.04	3.51	36.18	5.30	38.72	3.92	3.37*
सामाजिकतत्परता	30.04	3.86	28.82	4.72	30.17	4.24	1.00
सामाजिकधैर्य	18.54	4.73	18.07	3.74	19.26	3.60	.67
सामाजिकसहभागिता	14.73	3.09	15.30	2.46	15.52	1.95	.65
लगाव	10.08	1.97	9.48	2.62	10.13	2.11	.83

नोट: *p<.05

तालिका संख्या 7ब में स्वेच्छा सेवा के कारकों पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि(शहरी, ग्रामीण एवं मिश्रित) के प्रतिभागियों के परिणाम तथा एकदिश प्रसरण-विश्लेषण के परिणाम प्रदर्शित किये गए हैं; जिसमें VFI Values एवं Satisfactionकारक पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी, ग्रामीण एवं मिश्रित) के बीच सार्थक अंतर पाया गया।

तालिका7ब:वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों के प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं एफ.-मूल्य (N=93)

वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारक	शहरी(n=26)		ग्रामीण(n=44)		मिश्रित(n=23)		एफ.-मूल्य
	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
VFI Career	20.31	5.55	17.98	5.96	20.61	5.96	2.21
VFI Social	20.81	4.53	18.84	4.84	19.96	4.51	1.50
VFI Values	26.42	5.04	24.59	5.41	27.50	4.83	2.60*
VFI Understanding	26.88	5.45	25.41	4.61	27.74	5.62	1.73
VFI Enhance	21.73	4.52	20.43	4.07	22.13	4.83	1.38
VFI Protect	26.00	5.44	23.75	6.41	25.70	5.63	1.46
Outcomes Career	9.62	2.93	8.95	3.33	10.09	3.29	1.00
Outcomes Social	10.54	1.96	9.80	2.83	10.57	2.21	1.08
Outcomes Values	10.19	2.19	9.50	2.69	10.78	2.11	2.21
Outcomes Enhance	10.50	2.84	11.48	2.17	10.94	2.65	1.20
Outcomes Protect	10.35	1.83	9.11	3.14	10.00	3.32	1.68
Outcomes Understanding	10.50	2.44	9.98	2.34	10.65	2.64	.71
Satisfaction	27.85	5.27	24.66	6.46	27.65	4.72	3.36*
Long-term Intentions	1.42	.58	1.45	.59	1.39	.50	.10

नोट: *p<.05

मध्यमान तालिका 7 ब में मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों का VFI Valuesपर प्राप्तांक सर्वाधिक था, इससे कम शहरी समूह का और सबसे कम ग्रामीण समूह का प्राप्तांक था। Satisfaction की मात्रा शहरी और मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में ग्रामीण पृष्ठभूमि से सार्थक रूप में अधिक थी। शहरी और मिश्रित पृष्ठभूमियों के बीच सार्थक अंतर नहीं था। अन्य कारकों में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध (पुरुष,n= 56 तथा महिला,n=37)

सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्वेच्छा सेवा के मध्य संबंधों में लिंगभेद पर प्राप्त सहसंबंधों को **तालिका संख्या8 अ एवं ब** में प्रदर्शित किया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व के कारक सामाजिक चेतना, सामाजिक धैर्य एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारकों के बीच पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में किसी प्रकार का सहसंबंध नहीं प्राप्त हुआ। सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक तत्परता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के VFI Career कारक के बीच पुरुष प्रतिभागियों में सार्थक ($p<.05$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया। महिला प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक तत्परता एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके VFI Social तथा Outcomes Social कारकों के बीच सार्थक ($p<.05$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक प्रतिभागिता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके VFI Social,VFI Protect कारकों के बीच पुरुष प्रतिभागियों में सार्थक ($p<.05$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया, जबकि महिला प्रतिभागियों में सामाजिक प्रतिभागिता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारकों के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व के लगाव कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके VFI Understanding कारक के बीच पुरुष प्रतिभागियों में सार्थक ($p<.05$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया, जबकि महिला प्रतिभागियोंमें सामाजिक प्रतिभागिता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारकों के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया ।

तालिका 8अ:सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध (पुरुष,n= 56 तथा महिला,n=37)

कारक		VFI Career	VFI Social	VFI Values	VFI Understanding	VFI Enhance	VFI Protect
सामाजिक चेतना	पुरुष	.05	.24	.03	.16	-.01	.18
	महिला	.12	.25	.03	.11	.06	.10
सामाजिक तत्परता	पुरुष	.28*	.17	.16	.20	.01	.26
	महिला	.10	.38*	-.09	.02	.28	.05
सामाजिक धैर्य	पुरुष	-.04	.12	.02	.01	-.06	.03
	महिला	.14	.17	-.27	.07	.12	.06
सामाजिक प्रतिभागिता	पुरुष	.19	.29*	.11	.24	.14	.29*
	महिला	-.21	-.10	-.13	-.15	-.12	-.26
लगाव	पुरुष	.09	.25	.11	.30*	.09	-.01
	महिला	.05	.01	-.02	.04	-.04	.08

*Correlation is significant at the 0.05 level (2-tailed).

तालिका 8 ब:सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध (पुरुष,n= 56 तथा महिला,n=37)

कारक		Outcomes Career	Outcomes Social	Outcomes Values	Outcomes Enhance	Outcomes Protect	Outcomes Understanding	Satisfaction	Long-term Intentions
सामाजिक चेतना	पुरुष	-.11	-.14	.04	.07	-.02	-.10	.11	-.01
	महिला	.12	.24	.03	.11	.06	.10	-.03	.06
सामाजिक तत्परता	पुरुष	.20	.10	.09	.12	.12	.01	.04	-.15
	महिला	.10	.38*	-.09	.01	.28	.05	.07	-.12
सामाजिक धैर्य	पुरुष	-.13	-.19	-.03	-.18	-.15	-.06	.07	.05
	महिला	.14	.17	-.27	.07	.12	.06	.01	-.11
सामाजिक प्रतिभागिता	पुरुष	.10	.04	.15	.05	.08	.11	.12	-.07
	महिला	-.22	-.11	-.14	-.15	-.12	-.26	-.25	-.27
लगाव	पुरुष	.06	-.20	.02	.08	-.07	.14	.07	.03
	महिला	.06	.01	-.02	.04	-.04	.08	-.02	-.23

*Correlation is significant at the 0.05 level (2-tailed)

सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध (विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी n=26,ग्रामीण n=44 एवं मिश्रित n=23)

विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी, ग्रामीण एवं मिश्रित) के आधार पर सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारकों के बीच सहसंबंधों की गणना की गई जिनको **तालिका संख्या 9 अ एवं ब** में प्रदर्शित किया गया है। सामाजिक उत्तरदायित्व के कारक सामाजिक धैर्य एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारकों के बीच विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि- शहरी, ग्रामीण और मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।

मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक चेतना कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके VFI Social,VFI Understanding कारकों के बीचसार्थक ($p<.05$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक तत्परता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीकेOutcomes Understanding कारक के बीच सार्थक ($p<.05$) पर ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक तत्परता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके VFI Social कारक के बीच सार्थक ($p<.01$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया, जबकि ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक तत्परता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारकों के बीच किसी प्रकार का सहसंबंध नहीं पाया गया।

शहरी पृष्ठभूमि से संबंधित प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक प्रतिभागिता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके Outcomes Social कारक के बीच सार्थक ($p<.01$) ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया तथा Outcomes Values, Outcomes Enhance कारक के बीच सार्थक ($p<.05$) पर ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक प्रतिभागिता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके VFI Career,VFI Social,VFI Enhance कारक केबीच सार्थक ($p<.05$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया तथा सामाजिक उत्तरदायित्व कारक एवं VFI Protect कारक के बीच सार्थक ($p<.01$) धनात्मक सहसंबंध पाया गया। मिश्रित पृष्ठभूमिके प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व के लगाव कारक एवं वालंटियर फंक्शन्सइन्वेंटरी के कारकों के बीच प्राप्त कोई सहसंबंध सार्थक नहीं पाया गया।

शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व के लगाव कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के Outcomes Social कारक के बीच सार्थक ($p<.05$) ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया, जबकि ग्रामीण एवं मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक प्रतिभागिता कारक एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरीके कारकों के बीच कोई सहसंबंध सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका 9अ:सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध (विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि- शहरी n=26,ग्रामीण n=44 एवं मिश्रित n=23) (N=93)

कारक		VFI Career	VFI Social	VFI Values	VFI Understanding	VFI Enhance	VFI Protect
सामाजिक चेतना	शहरी	-.12	.03	-.18	-.16	-.11	-.05
	ग्रामीण	.03	.19	-.01	.09	.04	.19
	मिश्रित	.24	.49*	.24	.42*	.01	.15
सामाजिक तत्परता	शहरी	.09	.14	-.12	-.09	.16	.08
	ग्रामीण	.26	.13	.09	.07	.06	.27
	मिश्रित	.19	.56**	.05	.33	.36	.01
सामाजिक धैर्य	शहरी	.20	.05	-.18	-.04	.05	.01
	ग्रामीण	-.09	.12	-.06	.02	.02	.15
	मिश्रित	-.06	.33	-.13	.32	-.07	-.17
सामाजिक प्रतिभागिता	शहरी	-.25	-.05	-.19	-.18	-.30	-.36
	ग्रामीण	.30*	.33*	.04	.26	.34*	.39**
	मिश्रित	-.22	-.03	.09	-.07	-.22	-.10
लगाव	शहरी	.19	.05	.10	.11	-.04	.20
	ग्रामीण	.02	.12	-.02	.12	.05	-.01
	मिश्रित	-.07	.25	-.06	.11	-.11	-.27

*. Correlation is significant at the 0.05 level (2-tailed).

**. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).

तालिका 9 (ब सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध (विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि- शहरी n=26,ग्रामीण n=44 एवं मिश्रित n=23) (N=93)

कारक		Outcomes Career	Outcomes Social	Outcomes Values	Outcomes Enhance	Outcomes Protect	Outcomes Understanding	Satisfaction	Long-term Intentions
सामाजिक चेतना	शहरी	-.14	-.09	-.23	-.36	-.06	-.16	-.14	.03
	ग्रामीण	-.17	-.08	-.06	.06	.09	-.07	.10	-.06
	मिश्रित	.17	-.10	.32	.22	-.03	-.22	.15	-.18
सामाजिक तत्परता	शहरी	-.05	-.11	-.34	-.33	.07	-.40*	-.21	.06
	ग्रामीण	.14	.16	-.01	.09	.13	-.02	-.05	-.21
	मिश्रित	.34	-.29	.12	.03	-.04	.14	.28	-.48*
सामाजिक धैर्य	शहरी	.03	-.24	-.26	-.37	.12	-.16	-.16	.15
	ग्रामीण	-.19	-.11	-.03	-.20	-.15	-.04	.04	-.08
	मिश्रित	-.01	-.17	-.02	.01	-.21	-.01	.37	-.08
सामाजिक प्रतिभागिता	शहरी	-.28	-.59**	-.39*	-.39*	-.17	-.25	-.26	.18
	ग्रामीण	.08	.08	.15	-.01	.18	.14	.14	-.20
	मिश्रित	-.10	.01	-.03	.28	.00	-.38	-.01	.11
लगाव	शहरी	-.01	-.44*	-.19	-.16	-.25	.13	-.04	.18
	ग्रामीण	-.07	-.19	-.18	.07	-.14	.09	-.11	-.07
	मिश्रित	.13	-.30	.09	-.25	-.24	-.13	.07	-.18

*. Correlation is significant at the 0.05 level (2-tailed).

**. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).

अध्याय-4

विवेचना

प्रस्तुत शोध-अध्ययन का उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित मापनी का विकास एवं उसका विश्लेषण था। इस हेतु प्रस्तुत शोध-कार्य को दो चरणों में बांटा गया। प्रथम चरण के अंतर्गत 234 सहभागियों से प्राप्त प्रदत्तों का कारकीय विश्लेषण किया गया तथा प्राप्त कारकों के बीच सहसंबंधों की गणना की गई। द्वितीय चरण में, शोधार्थी द्वारा निर्मित सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी की वैधता की जांच के लिए **Clary et. al. (1998)** द्वारा निर्मित 48 पदों वाली वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी (VFI) (शोधार्थी द्वारा हिंदी अनुवादित) का उपयोग किया गया। इस अध्ययन-चरण में 93 सहभागियों से प्राप्त प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया एवं सहसंबंधों की गणना की गई।

प्रथम चरण

कारक विश्लेषण के उपरांत'सामाजिक चेतना, सामाजिक तत्परता, सामाजिक धैर्य, सामाजिक प्रतिभागिता तथा लगाव' पांच कारक सामाजिक उत्तरदायित्व संबंधित व्यवहार के मापन के लिए के प्राप्त हुए। सामाजिक चेतना इस बात से संबंधित है कि व्यक्ति कहाँ तक अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों जैसे- यातायात के नियमों, आस-पड़ोस एवं समाज में क्या हो रहा है, सामुदायिक आवश्यकताओं से संबंधित, बिजली के दुरुपयोग से होने वाली परेशानियों इत्यादि, को समझता है अथवा इनसे संबंधित जानकारी रखता है। सामाजिक तत्परता इस बात से संबंधित है कि समाज से जुड़े व्यक्ति के जो उत्तरदायित्व (जैसे- यात्रा करते समय किसी जरूरतमंद को अपनी सीट दे देना, किसी की मदद करना, पेड़ लगाना, पशु-पक्षियों की देखभाल करना इत्यादि) हैं, इनका निर्वहन वह कितनी तत्परता से करता है अथवा करना चाहता है। सामाजिक धैर्य से संबंधित कारक इस बात का मापन करते हैं कि व्यक्ति अपने समाज से संबंधित कार्यों अथवा जिम्मेदारियों को कितना धैर्यपूर्वक करता है। जैसे- लाइन में खड़े होकर अपनी बारी आने तक इन्तजार करना, बिजली का उपयोग सावधानीपूर्वक करना ताकि दूसरे लोग परेशान न हों तथा धीरजपूर्वक बड़े, वृद्धों अथवा निःशक्त लोगों के साथ समय व्यतीत करना। प्रस्तुत अध्ययन में

सामाजिक प्रतिभागिता इस बात से संबंधित है कि व्यक्ति सामाजिक कार्यों में कहाँ तक सरकारी, गैर-सरकारी संगठनों (राजनैतिक पार्टियों अथवा संगठनों) के माध्यम से अथवा स्वयं निजी तौर पर सहभागिता करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संस्थाओं में विश्वास करता है तथा ऐसे कार्यों में कितनी भागीदारी करता है। लगाव कारक इस बात से संबंधित है कि व्यक्ति समाज तथा विश्व समुदाय से कहाँ तक जुड़ा हुआ महसूस करता है, दूसरे लोगों से कितना सरोकार रखता है तथा आस-पास में होने वाली घटनाओं से कहाँ तक प्रभावित होता है।

इस अध्ययन द्वारा विकसित किए गए सामाजिक उत्तरदायित्व के मापक के कई कारक पूर्व के संबंधित मापकों से समानता रखते हैं जैसे कि इस मापक में प्रयुक्त लगाव नामक कारक **Youniss and Levine (2009)** द्वारा युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व के मापन के लिए विकसित किए गए मापक से समानता रखता है जिसमें लगाव कारक को सामाजिक सक्रियता अथवा प्रतिभागिता तथा लोकतंत्र की भावना से संबंधित माना गया है। **Berman (1997)**ने समुदाय की सदस्यता और लगाव को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा तथा बताया कि व्यक्ति की जैसे-जैसे सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ती है उसी अनुपात में समुदाय के साथ जुड़ाव एवं पहचान भी गहरी होती जाती है। **Pancer,PrattandHunsberger(2000)** ने किशोरों में सामाजिक उत्तरदायित्व को मापने के लिए मापनी का विकास किया। इस मापनी के अधिकाँश एकांश व्यापक सामाजिक एवं नैतिक मुद्दों जैसे- गरीबी, अन्याय तथा पर्यावरण से संबंधित वैयक्तिक अभिवृति के थे। इनके द्वारा विकसित मापनी शोधार्थी द्वारा विकसित मापनी से सहभागी एवं कारक के स्तर पर भिन्न है। **Berkowitzand Daniels (1964)**द्वारा विकसित सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी के सभी एकांश एकविमात्मक मापन हेतु विकसित की गई है। इन्होंने सामाजिक उत्तरदायित्व को मापनीय शीलगुण माना तथा बताया कि सामाजिक उत्तरदायी मानकों द्वारा समाज के सभी लोग एक दूसरे पर निर्भर रहते हैं। **Starrett (1996)** ने वैश्विक सामाजिक जिम्मेदारी को मापने के लिए जो मापनी विकसित की उसको उन्होंने तीन उप-मापनियों में विभाजित कर उसमें प्रथम मापनी ही वैश्विक सामाजिक उत्तरदायित्व का मापन करती थी इसमें उन्होंने अभिवृति एवं मूल्यों से संबंधित मुद्दों जैसे- नैतिकता, नैतिक दायित्वों, सामाजिक न्याय, समानता, शान्ति एवं पारिस्थितिकी से संबंधित विशेष अंतरराष्ट्रीय पक्षों को रखा है। शोधार्थी द्वारा विकसित मापनी एक बहुआयामी/बहुविमात्मक मापनी है जबकि**Pancer et. al.,Berkowitzand**

Danielsतथा**Starrett**द्वारा विकसित मापनी एकविमात्मक मापनियाँ हैं। इनमें अधिकांशतः अभिवृति एवं मूल्यों से संबंधित एकांशों को रखा गया है तथा शोधार्थी द्वारा भी विकसित की गई सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी में अभिवृति एवं मूल्यों से संबंधित एकांशों को रखा गया है।

अन्य विद्वानों द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के मापन हेतु जो मापनी विकसित की गई वह वैयक्तिक संस्कृति के प्रतिभागियों पर अध्ययन कर विकसित की गई जबकि शोधार्थी द्वारा मापनी के विकास हेतु सामूहिक संस्कृति के प्रतिभागियों पर अध्ययन किया गया है। **MarkusandKitayama (1991)** का मत है कि संस्कृति का प्रभाव व्यक्ति के विकास अथवा निर्माण पर पड़ता है तथा अलग-अलग संस्कृति में रहने वाला व्यक्ति अलग-अलग तरह से अपने स्व का निर्माण करता है। पश्चिमी अथवा वैयक्तिक संस्कृति में रहने वाले लोगों में स्व की स्वतंत्रता पर ज्यादा बल दिया जाता है जबकि सामूहिक अथवा पूर्वी संस्कृति के लोग परस्पर निर्भरता एवं सामंजस्यपूर्वक तरीके से रहने पर ज्यादा बल देते हैं। व्यक्ति जिस समाज में रहता या बड़ा होता है उस समाज का प्रभाव उसके स्व-निर्माण तथा व्यक्तित्व पर पड़ता है इस आधार पर अलग- अलग संस्कृतियों में सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार भी भिन्न होगा।

सामाजिक उत्तरदायित्व के कारक सामाजिक चेतना एवं सामाजिक तत्परता से संबंधित एकांशों के बीच सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया जिससे यह स्पष्ट होता है कि सहभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित सामाजिक तत्परता और सामाजिक चेतना की भावना अधिक है, जो इस बात को इंगित करते हैं कि अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे- बच्चों का पालन-पोषण करना, पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना, जरूरतमंदों की मदद करना इत्यादि के प्रति चेतना रखते हैं और उनका तत्परता से निर्वहन करते हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि सहभागियों के सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास में इन दोनों कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जबकि सामाजिक उत्तरदायित्व के कारक सामाजिक धैर्य का सामाजिक चेतना एवं सामाजिक तत्परता कारक के साथ सार्थक रूप से नकारात्मक सहसंबंध पाया गया जिससे यह स्पष्ट होता है कि सहभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार करने के लिए सामाजिक धैर्य जैसे- लाइन में खड़े होकर इंतजार करना, बिजली के उपयोग में लापरवाही, दबाव में ही सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाना, आस-पड़ोस की स्वच्छता का ध्यान न रखना इत्यादि के प्रति चेतना एवं तत्परता का अभाव पाया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व के कारक लगाव एवं सामाजिक प्रतिभागिता के

बीच सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया जिससे यह स्पष्ट होता है कि समाज में हो रहे परिवर्तनों अथवा घटनाओं से परिचित है, उनसे अपने आप को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं, उसमें सम्मिलित लोगों के प्रति लगाव महसूस करते हैं और सामाजिक कार्यों में प्रतिभाग करते हैं। जैसे- स्वयं अथवा राजनैतिक संगठनों या गैर-सरकारी संगठनों के साथ जुड़कर सामाजिक कार्यों (जैसे- पर्यायवरण, आस-पड़ोस की स्वच्छता का ख्याल रखना, लोकतांत्रिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना) को करते हैं।

द्वितीय चरण

सामाजिक उत्तरदायित्व तथा स्वैच्छिक सेवा पर लिंग-भेद का प्रभाव-

स्वैच्छिक सेवा मापनी के कारकों- Outcomes Career,Outcome Social एवं OutcomeProtect पर आए परिणाम यह दर्शाते हैं कि दोनों लिंगों के बीच सार्थक अंतर है। तीनों कारकों पर महिला प्रतिभागियों के प्राप्तांक पुरुष प्रतिभागियों की तुलना में अधिक है। Outcomes Career कारक पर आए परिणाम यह दर्शातें हैं कि महिला प्रतिभागी इसलिए स्वैच्छिक सेवा करने के लिए ज्यादा तत्पर अथवा अभिप्रेरित हैं क्योंकि उनका मत है कि स्वैच्छिक सेवा के माध्यम से कैरियर अनुभव से संबंधित लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकती हैं। Outcome Socialकारक पर आए परिणाम यह दर्शातें हैं कि महिला प्रतिभागी यह मानती हैं कि स्वैच्छिक सेवा सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में सुविधा प्रदान करती है। OutcomeProtectकारक पर आए परिणाम इस बात पर बल देता है कि महिला प्रतिभागियों स्वैच्छिक सेवा करने के लिए इसलिए ज्यादा तत्पर रहती हैं कि यह उनकी नकारात्मक भावनाओं जैसे- ग्लानि, व्यक्तिगत समस्याएं इत्यादि को कम करने में सहायक होता है। अनेक अध्ययन यह दर्शाते हैं कि महिलाओं में परोपकार से संबंधित, मानवीय मूल्यों से संबंधित व्यवहार करने अथवा स्वयं-सेवा करने में पुरुषों की तुलना में अभिप्रेरणा स्तर ज्यादा होता है। इसी तरह से **Canney and Bielefeldt (2015)** के अध्ययन में इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों में महिला विद्यार्थियों में पुरुष विद्यार्थियों की तुलना में सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अभिवृत्ति ज्यादा पाई गई तथा महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में उच्च सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण कार्यों में ज्यादा सक्रियता का प्रदर्शन किया।

सामाजिक उत्तरदायित्व तथा स्वैच्छिक सेवा पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि का प्रभाव-

सामाजिक उत्तरदायित्व के सामाजिक चेतना कारक पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी, ग्रामीण तथा मिश्रित) प्रतिभागियों के बीच सार्थक अंतर पाया गया। शहरी प्रतिभागियों में सामाजिक चेतना अधिक पाई गई, इनसे कम मिश्रित प्रतिभागियों में तथा सबसे कम ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में पाई गई जो इस बात को प्रदर्शित करता है कि विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमिके प्रतिभागियों पर उनकी पृष्ठभूमि का प्रभाव सामाजिक चेतना पर पड़ता है। स्वैच्छिक सेवा मापनी के कारक VFI Valuesतथा Satisfaction कारक पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी, ग्रामीण तथा मिश्रित) प्रतिभागियों के बीच सार्थक अंतर पाया। VFI Valuesपर आए परिणाम यह दर्शातें हैं कि मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागी सबसे अधिक, शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागी उससे कम तथा ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभागी सबसे कम इस बात से अभिप्रेरित होते हैं कि स्वैछिक सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण मूल्यों जैसे- मानवीय मूल्यों, जरूरतमंद को मदद करने इत्यादि को पूरा किया जा सकता है। संतुष्टि कारक पर आए परिणाम यह शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागी सबसे अधिक, मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागी उससे कम तथा ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभागी सबसे कम यह मानते हैं कि स्वैच्छिक सेवा के अपने अनुभवों के आधार पर यह मानते हैं कि उनके द्वारा किए कार्य उनके स्वैच्छिक सेवा से संबंधित प्रेरणाओं को संतुष्ट करने में सहायक सिद्ध हुए हैं।

महिला तथा पुरुष प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध-

पुरुष तथा महिला प्रतिभागियों को लेकर दोनों मापनियों सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी तथा वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के बीच के सहसंबंधों की तुलना की गई। स्वैच्छिक सेवा से जुड़े हुए पुरुष प्रतिभागी सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यों जैसे- पर्यावरण तथा पशु-पक्षियों की देखभाल करने, जरूरतमंद की मदद करने इत्यादि में ज्यादा तत्परता का प्रदर्शन करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि यह उनके कैरियर से संबंधित अनुभवों में वृद्धि करता है। स्वैच्छिक सेवा से जुड़ी हुई महिला प्रतिभागी सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यों जैसे- पर्यावरण तथा पशु-पक्षियों की देखभाल करने, जरूरतमंद की मदद करने इत्यादि में ज्यादा तत्परता से प्रदर्शन करती हैं क्योंकि उनका मानना है कि यह उनके सामाजिक सबंधों को बढ़ाने तथा मजबूती प्रदान करने में सहायक होता है तथा यह उनकी सामाजिक

आवश्यकताओं को संतुष्ट करता है। स्वैच्छिक सेवा से जुड़े हुए पुरुष प्रतिभागी लोकतांत्रिक संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर अथवा अकेले ही में सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यों में प्रतिभाग करते हैं क्योंकि उनका मत है कि इसके द्वारा ही वह अपने सामाजिक संबंधों को और शक्ति प्रदान करते हैं तथा इसके माध्यम से वह अपनी नकारात्मक भावनाओं जैसे- ग्लानि, समस्याओं का सामना करने में असहजता इत्यादि को कम कर सकते हैं। स्वैच्छिक सेवा से जुड़े हुए पुरुष प्रतिभागी लगाव से संबंधित सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े मुद्दों जैसे- आस-पास अथवा दूसरे लोगों से सरोकार रखना, आस-पास हो रही घटनाओं की जानकारी रखना में ज्यादा बढ़कर हिस्सा लेते हैं क्योंकि उनका मानना है कि वह स्वैच्छिक सेवा के माध्यम से वे विश्व अथवा समाज के बारे में ज्यादा ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं तथा अपने कौशलों में वृद्धि कर कर सकते हैं जिनका उपयोग वे यदा-कदा ही करते हैं।

विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी एवं वालंटियर फंक्शन्स इन्वेंटरी के कारकों के मध्य सहसंबंध

विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी, ग्रामीण तथा मिश्रित) प्रतिभागियों के बीच दोनों मापनियों सामाजिक उत्तरदायित्व मापनी तथा स्वैच्छिक सेवा मापनी के कारकों के बीच के सहसंबंधों की तुलना की गई। स्वैच्छिक सेवा से जुड़े हुए मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागी सामाजिक मुद्दों जैसे- जरुरतमंदों की मदद करने, यातायात के नियमों का पालन करने, बिजली का उचित ढ़ंग से उपयोग करने इत्यादि के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन करते हैं। वह ऐसा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने के लिए करते हैं तथा वे समाज तथा विश्व के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अभिप्रेरित रहते हैं। स्वैच्छिक सेवा से जुड़े हुए मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागी सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े हुए कार्यों जैसे- पर्यावरण तथा पशु-पक्षियों की देखभाल करने, जरूरतमंद की मदद करने इत्यादि में ज्यादा तत्परता का प्रदर्शन करते हैं क्योंकि वे समाज से अपने संबंधों को और मजबूती प्रदान करना चाहते हैं। लेकिन इसके विपरीत वह लम्बे समय तक इस तत्परता को बनाए रखने में असमर्थ रहते हैं क्योंकि उनकी लम्बे समय तक आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं है। जबकि शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागी यह मानते हैं कि वह जितना सामाजिक रूप से तत्पर होंगे उतना ही वह समाज अथवा विश्व से संबंधित ज्ञान को प्राप्त करने में असमर्थ होंगे। स्वैच्छिक सेवा करने वाले मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागी सामाजिक प्रतिभागिता (जैसे- व्यक्तिगत रूप से अथवा सरकारी, गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर करने से सामाजिक कार्यों में भाग लेना) ज्यादा करते हैं

क्योंकि ऐसा करने से प्रतिभागियों में उनके कैरियर अनुभव से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने में, सामाजिक संबंधों को बढाने एवं मजबूत करने में सहायता मिलती है तथा नकारात्मक भावनाओं को कम करने में सामाजिक प्रतिभागिता सहायक होती है। परिणाम यह दर्शाते हैं कि शहरी पृष्ठभूमि के स्वयंसेवक जो जितना अधिक सामाजिक प्रतिभागिता करते हैं उनके सामाजिक संबंधों उतनी ही में कमी आती है, महत्वपूर्ण मूल्यों जैसे- मानवता तथा जरुरतमंदों की मदद करने से संतुष्टि का अनुभव नहीं होता है तथा वे मानसिक तौर पर कम संतुष्टि का अनुभव करते है। शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागी जितना अधिक सामाजिक घटनाओं अथवा सामाजिक सरोकार के मुद्दों से जितना लगाव महसूस करता है वह उतना अधिक सामाजिक संबंधों के संदर्भ में संतुष्टि का अनुभव करता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में, सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित मापनी के पांच कारक- सामाजिक चेतना, सामाजिक तत्परता, सामाजिक धैर्य, सामाजिक प्रतिभागिता एवं लगाव प्राप्त हुए। सामाजिक रूप से जागरूक रहने वाले प्रतिभागियों में सामाजिक कार्यों को करने की तत्परता पाई गई तथा जो प्रतिभागी समाज से लगाव/जुड़ाव महसूस करते हैं सामाजिक कार्यों में भाग लेते हैं। सामाजिक कार्य जिनमें धैर्य की आवश्यकता होती है प्रतिभागियों में ऐसे कार्यों के प्रति सामाजिक चेतना एवं तत्परता का अभाव पाया गया। लिंग-भेद का प्रभाव कैरियर अनुभव से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने में, सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में तथा अपने नकारात्मक भावनाओं को कम करने में पड़ता है। विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमिका प्रभाव इस बात पर पड़ता है कि वह समाज में हो रही घटनाओं एवं हो रहे परिवर्तनों की कितनी जानकारी रखते हैं। साथ ही मानवीय एवं जरूरतमंदों की मदद करने से संबंधित मूल्यों तथा स्वैच्छिक सेवा से प्राप्त होने वाली संतुष्टि पर विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमिका प्रभाव पड़ता है। पुरुष प्रतिभागियों के लिए सामाजिक तत्परता उनके कैरियर अनुभव से संबंधित लक्ष्यों के प्रति अभिप्रेरणा में सहायक होती है तथा सामाजिक प्रतिभागिता सामाजिक संबंधों को बढ़ाने एवं नकारात्मक भावनाओं को कम करने में सहायक होती है। लगाव उनके अंदर छिपे हुए कौशलों को बाहर निकालने एवं समाज के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में सहायक होता है। महिला प्रतिभागियों में सामाजिक कार्यों के प्रति तत्परता उनके सामाजिक संबंधों को बढ़ाने एवं सामाजिक संबंधों से प्राप्त होने वाली संतुष्टि में सहायक होती है। मिश्रित पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में समाज में हो रही घटनाएँ अथवा परिवर्तनों के प्रति चेतना उनके सामाजिक संबंधों को मजबूत करने एवं अपने समाज तथा विश्व से संबंधित ज्ञान प्राप्त करने में सहायक होती है। सामाजिक तत्परता सामाजिक सबंधों को बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है जबकि लम्बे समय तक बने रहने पर असंतुष्टि भी बढ़ती जाती है। शहरी पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों में सामाजिक तत्परता जैसे-जैसे बढ़ती जाती है उनके समाज, विश्व के प्रति ज्ञान एवं छिपे हुए कौशलों के उपयोग के संदर्भ में संतुष्टि कम होती है। सामाजिक कार्यों में प्रतिभागिता बढ़ने के साथ-साथ उनमें सामाजिक संबंधों के प्रति संतुष्टि, मानसिक संतुष्टि एवं मानवीय कार्यों के प्रति संतुष्टि का अनुभव कम होता है। सामाजिक कार्यों के प्रति लगाव बढ़ने के कारण उनमें सामाजिक संबंधों के प्रति संतुष्टि का अनुभव कम होता है। ग्रामीण पृष्ठभूमि के

प्रतिभागियों में कैरियर अनुभव से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने, सामाजिक संबंधों को मजबूत करने, अपने संज्ञानात्मक क्षमताओं में वृद्धि करने तथा नकारात्मक भावनाओं को कम करने से संबंधित अभिप्रेरणा सामाजिक प्रतिभागिता को बढ़ाने में सहायता करती है।

शोध की सीमा

प्रत्येक शोध की कुछ अपनी सीमाएं होती है, प्रस्तुत शोध की सीमाएं निम्नवत हैं-

1. सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रभावित करने वाले बहुत से कारक हो सकते हैं लेकिन लघु शोध में मात्र लिंग-भेद एवं विभिन्न आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी, ग्रामीण एवं मिश्रित) को ही लिया गया है।
2. प्रस्तुत शोध केवल वर्धा (महाराष्ट्र) में रहने वाले युवा वर्ग के लोगों के प्रदत्तों पर ही आधारित है।
3. शोध में लिंग-भेद के आधार पर सार्थकता को देखने के लिए बड़े प्रतिदर्श पर अध्ययन किया जा सकता है।
4. एकांश लेखन केवल साहित्यिक समीक्षा के आधार पर तैयार किए गए हैं।

संदर्भ ग्रंथ-सूची

Adler, A. (1964). *Social interest: A challenge to mankind*. New York, NY: Capricorn.

Berkowitz, L., & Daniels, L. R. (1964).Affecting the salience of the social responsibility norm: Effects of past help on the response to dependency relationships. *Journal of Abnormal and Social Psychology, 68*(3), 275-281.

Berkowitz, L., & Lutterman, K. G. (1968).The traditional socially responsible personality. *Public Opinion Quarterly, 32*(2), 169-185.

Berman, S. (1997). Children's social consciousness and the development of social responsibility. *Public Opinion Quarterly, 32*, 169-185.

Bierhoff, H. W. (2000). Berkowitz & Daniels social responsibility scale: Development andvailidation. [Skala der sozialen Verantwortung nach Berkowitz und Daniels: Entwicklung und Validierung] *Diagnostica, 46*(1), 18-28.

Canney, Nathan E. And Bielefeldt, Angela, R. (2015). Gender differences in the social responsibility attitudes of engineering students and how they change over time.*Journal of Women and Minorities in Science and Engineering*.*21*(3),215-237

Clary, E. G., Snyder, M., Ridge, R. D., Copeland, J., Stukas, A. A., Haugen, J., & Miene, P. (1998). Understanding and assessing the motivations of volunteers: A functional approach. *Journal of Personality and Social Psychology,74*(6), 1516-1530.

Colby, Anne., Ehrlich, Thomas., Beaumont, Elizabeth., and Stephens. Jason. (2003). *Educating Citizens: Preparing America's Undergraduates for Lives of Moral and Civic Responsibility.* Menlo Park, CA: Carnegie Foundation for the Advancement of Teaching/Jossey-Bass.

De George, R. T. (1999), *Business Ethics, 5th Edition.* NJ:Prentice Hall, Upper Saddle River.

Friedman, M. (1970).The Social Responsibility of Business is to Increase its Profits. *The New York Times Magazine 33*, 122-126.

Gough, H. G., McClosky, H., & Meehl, P. E. (1952).A personality scale for social responsibility.*The Journal of Abnormal and Social Psychology, 47*(1), 73-80.

Harris, D. B. (1957).A scale for measuring attitudes of social responsibility in children. *Journal of Abnormal and Social Psychology, 55*(3), 322-326.

Hofstede, G. (1980). *Culture's consequences: International differences in work related values*.Beverly Hills, CA: Sage.

Leming, J. S. (2001). Integrating a structured ethical reflection curriculum into high school community service experiences: Impact on students' sociomoral development.*Adolescence*, *36*(141), 33-45.

Macaulay, Jacqueline. R. and Berkowitz, Leonard. (1970). *Alturism and Helping Behavior*. NewYork: Academic Press.

Markus, H. R., and Kitayama, S. (1991). Culture and the Self: Implications for Cognition, Emotion, and Motivation. *Psychological Review,98*(2)*,* 224-253.

Misra, G. (2001). Culture and self: Implication for psychological Inquiry. *Journal of Indian psychology, 19*, 18-48.

Pancer, M., Pratt, M., and Hunsberger, B. (2000, July).The roots of community and political involvement in Canadian youth. Paper presented at the XVI biennial meetings of the International Society for the Study of Behavioral Development, Beijing, China.

Power, Sally., Allouch, Annabelle., Brown, Phillip., and Theolen, Gerbrand. (2016). Giving something back? Sentiments of privilege and social responsibility among elite graduates from Britain and France.*International Sociology,31*(3),305-323.

Reinders, H., and Youniss, J. (2006).School-based required community service and civic development in adolescents.*Applied Developmental Science, 10*(1), 2-12.

Schuyt,T., Smit, J., Bekkers, R. (2004).Constructing a philanthropy scale: Social responsibility and philanthropy. *Paper presented at the 33d ARNOVA conference*, Los Angeles, November 2004.

Sharma, Seema G. (2009). Corporate Social Responsibility in India: An Overview. *The International Lawyer, 43*(4)(WINTER)*,*1515-1533.

Sinha, J.B.P. (2012). Cultural roots of Indian mindset. *The Social Engineer: A Journal of International Perspective on Development,13*(1-2), 6-21.

Starrett, R. H. (1996). Assesment of global social responsibility. *Psychology Reports,78*, 535-554.

Triandis, H. C. (2000). Dialectics between cultural and cross-cultural psychology.*Asian Journal of Social Psychology, 3*, 185-195.

World Business Council for Sustainable Development (2002), Corporate Social Responsibility : The WBCSD's Journey.

Yates, M., and Youniss, J. (1998).Community service and political identity development in adolescence.*Journal of Social Issues, 54*(3), 495-512.

Youniss, J., and Levine, P. (Eds.) (2009).*Engaging young people in civic life*. Nashville, TN: Vanderbilt University Press.